SHRI SUJEET KUMAR (Odisha): Sir, I would also like to associate myself with the Zero Hour mention made by the hon. Member.

DR. SONAL MANSINGH (Nominated): Sir, I would also like to associate myself with the Zero Hour mention made by the hon. Member.

Need to celebrate the role of 15 women representatives in the Constituent Assembly on the occasion of 75th year of Indian Independence

श्री राकेश सिन्हा (नाम निर्देशित): सभापति महोदय, भारत सरकार आज़ादी का 'अमृत महोत्सव' मना रही है। ...(**व्यवधान**)... इस अवसर पर मैं एक ऐसे मुद्दे को उठा रहा हूँ, जो उचित है और इस अवसर पर उन्हें सम्मान देना चाहिए। ...(**व्यवधान**)...

महोदय, भारत की संविधान सभा में 15 महिला सदस्य थीं। ...(**व्यवधान**)... ये वे सदस्य थीं, जिन्होंने स्वतंत्रता आन्दोलन में बड़ी महती भूमिका निभायी थी। ...(**व्यवधान**)... उन्होंने सिर्फ स्वतंत्रता आन्दोलन में ही भूमिका नहीं निभायी थी, बल्कि सामाजिक सुधार और अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में भी इनकी अहम भूमिका थी। ...(**व्यवधान**)...

महोदय, मैं एक नाम हंसा मेहता जी का लेना चाहता हूँ। ...(**व्यवधान**)... हंसा मेहता जी के आग्रह पर संयुक्त राष्ट्र संघ का जो Universal Rights Declaration है, जिसमें 'all men are equal' कहा गया था, उनके हस्तक्षेप के बाद United Nations ने उसमें परिवर्तन किया और 'all men are equal' की जगह 'all human beings are equal' किया गया। ...(**व्यवधान**)... इसी तरह से लीला रॉय जी थीं, जो 6 साल जेल में रहीं। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : यह freedom fighters के बारे में है। ...(**व्यवधान**)...

श्री राकेश सिन्हा : महोदय, मालती चौधरी, कमला चौधरी जैसे कुछ नामों को हम जानते हैं। ...(**व्यवधान**)... सुचेता कृपलानी जी, विजयलक्ष्मी पंडित जी जैसे नामों को भी हम जानते हैं। ...(**व्यवधान**)... लेकिन बहुत से ऐसे नाम हैं, जिन्होंने स्वतंत्रता आन्दोलन में भूमिका निभायी, लेकिन हम उन्हें नहीं जान पा रहे हैं। ...(**व्यवधान**)... मैं दुर्गाबाई देशमुख जी का नाम लेता हूँ, जिन्हें हम 'Iron Lady' के नाम से जानते थे। ...(**व्यवधान**)...उसी तरह से अम्मु स्वामीनाथन, पूर्णिमा बनर्जी, राजकुमारी अमृत कौर के नाम हैं। ...(**व्यवधान**)... राजकुमारी अमृत कौर 10 साल तक स्वास्थ्य मंत्री रही थीं, उन्होंने All India Institute of Medical Sciences की स्थापना की थी। ...(**व्यवधान**)...

मेरा इस सदन के माध्यम से और आपके माध्यम से भारत सरकार से आग्रह है कि 'अमृत महोत्सव' के अवसर पर ये 15 महिला सदस्य, जो कि Constituent Assembly की सदस्य थीं, इनके ऊपर monographs publish किये जाएँ। ...(**व्यवधान**)... इनके ऊपर seminars आयोजित किये जाएँ, जिससे भारत में जो महिलाओं के सशक्तिकरण एवं महिलाओं की राजनीति में

भागीदारी की बात कही जाती है ...(**व्यवधान**)... तृतीय विश्व के देशों में भारत ही एक ऐसा देश है, जिसकी संविधान सभा में 15 महिला सदस्य थीं। ...(**व्यवधान**)... दुनिया के किसी भी देश में इतनी बड़ी संख्या में महिला सदस्य नहीं थीं। इसलिए आज दुनिया के platform पर यह बताने की जरूरत है कि भारत के स्वतंत्रता आन्दोलन, भारत की राजनीति और भारत के सामाजिक जीवन में महिलाओं की भागीदारी सतत् बनी रही है। ...(**व्यवधान**)...

इसलिए मैं, अन्त में, भारत सरकार से आग्रह करता हूँ कि ऐसी सभी महिला सदस्यों की भूमिकाओं को और उनकी सामाजिक-राजनीतिक गतिविधियों को प्रकाश में लाया जाये, जिससे समाज उनके बारे में सुपरिचित हो सके, धन्यवाद। ...(**व्यवधान**)...

श्रीमती गीता उर्फ चंद्रप्रभा (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं माननीय सदस्य द्वारा उठाये गये विषय से स्वयं को सम्बद्ध करती हूँ।

श्रीमती सीमा द्विवेदी (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाये गये विषय से स्वयं को सम्बद्ध करती हूँ।

श्री हरनाथ सिंह यादव (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाये गये विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूँ।

श्री कैलाश सोनी (मध्य प्रदेश): महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाये गये विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूँ।

श्री सकलदीप राजभर (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाये गये विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूँ।

DR. AMAR PATNAIK (Odisha): Sir, I too associate myself with the matter raised by the hon. Member.

DR. SASMIT PATRA (Odisha): Sir, I too associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI SUJEET KUMAR (Odisha): Sir, I too associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI DEEPAK PRAKASH (Jharkhand): Sir, I too associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI NARAYANA KORAGAPPA (Karnataka): Sir, I too associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI KANAKAMEDALA RAVINDRA KUMAR (Andhra Pradesh): Sir, I too associate myself with the matter raised by the hon. Member.

श्री सभापति : राकेश जी, धन्यवाद। ...(**व्यवधान**)... आप एक अच्छा विषय ध्यान में लाये। ...(**व्यवधान**)... मैं चाहता हूँ कि सरकार इसके ऊपर ध्यान दे। ...(**व्यवधान**)... यह एक महत्वपूर्ण सुझाव है। ...(**व्यवधान**)... जो महिला सांसद संविधान सभा में सदस्य थीं और जिन्होंने अपना योगदान किया, ऐसी महिलाओं का अलग से सम्मान आज़ादी के इस 'अमृत महोत्सव' के संदर्भ में होना चाहिए। ...(**व्यवधान**)... यह उनका सुझाव है, जो कि एक अच्छा सुझाव है। आप इसे नोट करके concerned मंत्रालय से बातचीत करके देख लीजिए। ...(**व्यवधान**)...

संसदीय कार्य मंत्री; कोयला मंत्री; तथा खान मंत्री (श्री प्रहलाद जोशी): महोदय, मैं concerned Ministry से बात करके इसे संज्ञान में लेता हूँ। ...(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: Now, Special Mentions. ...(*Interruptions*).... डा. किरोड़ी लाल मीणा। ...(**व्यवधान**)...

SPECIAL MENTIONS

Need to declare cow as national animal

डा. किरोड़ी लाल मीणा (राजस्थान): महोदय, गाय भारतीय संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है। भारतीय संस्कृति में गाय को पूजा जाता है। यह समय की माँग है कि गाय को 'राष्ट्रीय पशु' घोषित किया जाए और गौरक्षा को हिन्दुओं का मौलिक अधिकार बनाया जाए। ...(**व्यवधान**)...

हम जानते हैं कि जब किसी देश की संस्कृति और उसकी आस्था को ठेस पहुँचती है, तो देश कमजोर होता है। चाणक्य ने अर्थशास्त्र में लिखा है कि किसी देश को नष्ट करना है, तो पहले उसकी संस्कृति नष्ट कर दो, देश स्वतः ही नष्ट हो जाएगा। इन्हीं बातों को ध्यान में रखकर बहुतायत राज्यों में गौहत्या प्रतिबंधित है। सनातन धर्म में गाय को माता मानकर पूजा जाता है। गाय हिन्दू संस्कृति का मजबूत प्रतीक एवं आस्था का केन्द्र है, इसलिए जब कोई भी गौहत्या कर देता है, तो सामाजिक सौहार्द बिगड़ जाता है। ...(**व्यवधान**)...

गाय का मांस खाना किसी भी प्रकार से किसी का मौलिक अधिकार नहीं हो सकता, बल्कि जो लोग गाय की पूजा करते हैं, गाय की रक्षा करना उनका परम कर्तव्य है। लोग आर्थिक रूप से भी गाय पर निर्भर करते हैं। गौरक्षा किसी धर्म से जुड़ा विषय नहीं है। मुस्लिम शासकों ने भी गाय को भारतीय संस्कृति का महत्वपूर्ण हिस्सा माना है। बाबर, हुमायूँ और अकबर सहित कम से कम पाँच मुस्लिम शासकों ने गौहत्या पर प्रतिबंध लगाया था। ...(**व्यवधान**)...